

Q. सार्विक निवेदन (Universal instantiation - UI) :-> ②

Ans -> सार्विक पद्धिमातक वया (कात कतालोमक) अके (अत्र कतालोमक) म (कात प्रतिप्रापक) ह्योक्त (निवेदन ह्योक्त) अनुमानेन निष्कर्षे वता म् सार्विक निवेदनेन निष्कर्ष (UI) । (x) (Mx ⊃ Gx) - अत्र सार्विक पद्धिमातक वया कतालोमक (अके आख्या UI निष्कर्षे आशाम) Mx ⊃ Gx जाइ * (x-अत्र परिवर्ते य ह्योक्त) ।

Q. निवेदन कि ? (Instantiation) . ②

Ans -> (कात कतालोमक) अके प्रतिप्रापक ह्योक्त अतः कतालोमक वता म् निवेदन । अतः - Mx - अत्र कतालोमक (अके Mx) अत्र कतालोमक पद्धिमातक । अतः 'x' - अत्र परिवर्ते 'a' प्रतिप्रापक ह्योक्त (अत्र पद्धिमातक) । (अकि अत्र परिवर्ते अकि तम कतालोमक) ।

Q. सार्विक सामान्यीकरण (Universal generalization - UG) :-> ②

Ans -> म निष्कर्ष आशाम आख्या अकि निवेदन प्रतिप्रापक ह्योक्त (अके म) (कात कतालोमक) अकि अ. निवेदन प्रतिप्रापक ह्योक्त (अके अत्र कतालोमक) सार्विक पद्धिमातक वया अत्र अ (अकि सामान्य) कते आख्या उच्यते अत्र अकि, अके सार्विक सामान्यीकरण निष्कर्ष अ UG वता म् । अतः - D_y ⊃ F_y - अत्र कतालोमक (अके आख्या UG निष्कर्ष आशाम) (x) (D_x ⊃ F_x) जाइ ।

